मिय। अहमसते। असतं ब्रह्मणि। चन्द्रमा मे मनिस श्रितः॥ ५॥

मनो हदये। हदयं मियं। अहमसते। अस्तं ब्रह्मणि। दिशों में श्रोचे श्रिताः। श्रोचः हदये। ह-दंयं मियं। अहमसते। असतं ब्रह्मणि। आपा में रेतिस श्रिताः॥ ६॥

रेतो हद्ये। हद्यं मिय। अहममते। अमृतं ब्र-ह्मणि। पृथिवी मे श्रीरे श्रिता। श्रीर्थ हद्ये। हद्यं मिय। अहममते। अमृतं ब्रह्मणि। श्रोषि-वनस्पत्या मे लोमसु श्रिताः॥ ७॥

लोमानि हदये। हदयं मिय। अहमसते। असतं ब्रह्मणि। इन्द्री में बले श्रितः। बल् हदये। हदयं मिय। अहमसते। असतं ब्रह्मणि। पर्जन्यो में मूर्डि श्रितः॥ ८॥

मूर्डी हदये। हदयं मिथे। श्रहमस्ते। श्रस्तं ब्र-ह्मिश। र्रशाना मे मन्धा श्रितः। मन्युईदये। हदयं मिथे। श्रहमस्ते। श्रस्तं ब्रह्मिश। श्रात्मा मे श्रात्मिन श्रितः॥ श्रात्मा हदये। हदयं मिथे। श्रहमस्ते। श्रस्तं ब्रह्मिश। पुनर्भ श्रात्मा पुनरायुरागात्। पुनः पाणः